राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 17 | जौनपुर | शनिवार, 30 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

हर खिलाड़ी समाज का हीरो है : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। हर खिलाड़ी समाज के लिए हीरो होता है। हर नागरिक को एक खिलाड़ी की तरह अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से आगे बढ़ने, खेल जीवन के अनुशासन को बनाए रखने, समन्वय स्थापित करने और जीवन में लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयासों का हिस्सा होना चाहिए। सही मायनों में खिलाड़ियों से समाज को समर्पण की प्रेरणा मिलती है। यह कहना है सीएम योगी आदित्यनाथ का जो खेल दिवस के अवसर पर पदमश्री मो. शाहिद स्टेडियम में प्रदेश के राष्ट्रीय पदक विजेताओं को प्रोत्साहन राशि देने आए। इस अवसर पर उन्होंने नौ सहायक खेल प्रशिक्षकों को नियुक्ति पत्र भी दिए। साथ ही प्रदेश के पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता खिलाड़ियों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर सीएम ने स्टेडियम में स्पोर्ट्स हॉस्टल और स्पोर्ट्स कॉलेज के बीच खेले गए मैत्री मुकाबले का भी लुत्फ उठाया। उन्होंने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को नमन करते हुए कहा कि जब मेजर ध्यानचंद जी की बात आती है तो हर भारतीय के मन में हॉकी की स्टिक नजर आने लगती है। 1928, 1932 और 1936 तीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाकर उन्होंने भारत की हॉकी को वैश्विक पहचान दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार किसी नेता नहीं, बल्कि मेजर ध्यानचंद के नाम पर समर्पित किया गया। उत्तर प्रदेश के लिए यह इसलिए भी गौरव की बात है क्योंकि यह उनकी जन्मभूमि है। उनकी स्मृति में मेरठ में प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का नामकरण मेजर ध्यानचंद जी के नाम पर किया गया है और इस सत्र से वहां पाठ्यक्रम प्रारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कमिश्नरी में एक स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना की जा रही है। विभिन्न खेलों के लिए इन कॉलेजों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। पूर्व ओलंपियनध्कॉमनवेल्थध्एशियाडध्नेशनल गेम्स मेडलिस्टों को कोच बनाकर नई प्रतिभाओं को तराशा जाएगा। हर ग्राम पंचायत में खेल का मैदान, हर विकासखंड पर मिनी स्टेडियम और हर जनपद में एक स्टेडियम निर्माण की कार्यवाही युद्धस्तर पर जारी है। ओपन जिम के निर्माण व युवा कल्याण विभाग के माध्यम से युवक मंगल दल और महिला मंगल दल को स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हॉकी में अनेक दिग्गज दिए हैं। मेजर ध्यानचंद, के. डी. सिंह 'बाबू', मोहम्मद शाहिद, रवींद्र पाल, सैयद अली, डॉ. आर. पी. सिंह, सुजीत कुमार, रजनीश मिश्रा, मोहम्मद शकील, देवेश चौहान, एम. पी. सिंह, जगवीर सिंह, विवेक सिंह, राहुल सिंह, तुषार खांडेकर, दानिश मुर्तजा, ललित उपाध्याय, राजकुमार पाल, रंजना श्रीवास्तव, मंजू बिष्ट, पुष्पा श्रीवास्तव, रजनी जोशी, वंदना कटारिया, रितुषा कुमारी आर्या जैसे हॉकी खिलाड़ियों प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया।

पीएम मोदी और उनकी मां को अपशब्द के लिए माफी मांगें राहुल गांधी, कांग्रेस पर जमकर बरसे अमित शाह

गुवाहाटी , (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार में विपक्षी गठबंधन के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल की घटना की निंदा की। शाह ने कहा, कांग्रेस नेताओं ने अपनी घुसपैठिया बचाओ यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करके बेहद निंदनीय कृत्य किया है। मैं इसकी निंदा करता हूं। हर कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहे हैं। शाह ने कहा, श्दो दिन पहले जो हुआ, उससे सभी को दुख पहुंचा है। पीएम मोदी की मां ने एक गरीब घर में जीवन जिया, अपने बच्चों को मूल्यों के साथ पाला और अपने बेटे को एक भरोसेमंद नेता बनाया। ऐसे जीवन के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना भारत की जनता कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती। राजनीतिक जीवन में इससे बड़ी कोई गिरावट नहीं हो सकती और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।श उन्होंने आगे कहा, श्मैं राहुल गांधी से आग्रह करना चाहता हूं कि अगर उनमें जरा भी शर्म बची है, तो उन्हें पीएम मोदी, दिवंगत मां और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। ईश्वर सभी को सद्बुद्धि दे। इससे पहले चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया।

संक्षिप्त खबरें

हर परिवार की एक महिला को मिलेंगे 10 हजार रुपये, सरकार ने किया बड़ा ऐलान

पटना , (एजेंसी)। बिहार विध ाानसभा चुनाव 2025 से ठीक पहले, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की महिला मतदाताओं को साधने के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। कैबिनेट बैठक में नीतीश सरकार ने श्मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनाश्य को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत, बिहार के हर परिवार की एक महिला को रोजगार शुरू करने के लिए 10 हजार रुपये की पहली किस्त दी जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी और बताया कि यह राशि सितंबर 2025 से ही महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर होनी शुरू हो जाएगी, जो चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले एक बड़ी सौगात मानी जा रही है। यह योजना सिर्फ 10 हजार रुपये तक ही सीमित नहीं है। सीएम नीतीश ने बताया कि यह योजना महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के एक बड़े मिशन का हिस्सा है। पहली किस्त के 6 महीने बाद, महिलाओं द्वारा शुरू किए गए रोजगार का आकलन किया जाएगा और जरूरत के अनुसार उन्हें 2 लाख रुपये तक की कुल आर्थिक सहायता दी जा सकेगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने ट्वीट में कहा, हम लोगों ने नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिला सशक्तीकरण के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। इसी मिशन को आगे बढ़ाते हुए हमलोगों ने महिलाओं के हित में अब एक महत्वपूर्ण एवं अभूतपूर्व निर्णय लिया है, जिसके सकारात्मक और दूरगामी परिणाम होंगे। कैसे मिलेगा योजना का लाभ? मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का लाभ राज्य के हर परिवार की एक इच्छुक महिला को मिलेगा। इस योजना का लक्ष्य महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ?2 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान करना है। इसकी पहली किस्त के रूप में, ?10,000 की राशि सितंबर 2025 से सीधे पात्र महिलाओं के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाएगी। यह राशि महिलाओं को अपना उद्यम शुरू करने में मदद करेगी। ?10,000 की प्रारंभिक सहायता के बाद, ग्रामीण विकास विभाग और नगर विकास एवं आवास विभाग महिलाओं के रोजगार प्रस्तावों का मूल्यांकन करेंगे और उसके आध ाार पर उन्हें ?2 लाख तक की अतिरिक्त सहायता प्रदान करेंगे।

सीएम नीतीश कुमार की कैबिनेट का महिलाओं के लिए बड़ा फैसला

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने 2005 में सत्ता संभालने के बाद से ही महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं और अब इसी दिशा में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने एक्स अकाउंट (पूर्व में ट्विटर) पर महिला सशक्तिकरण को लेकर एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने लिखा कि नवंबर 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अब महिलाएं अपनी मेहनत से न केवल राज्य के विकास में योगदान दे रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि इसी मिशन को आगे बढ़ाते हुए कैबिनेट की बैठक में 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' को मंजूरी दी गई है। इस योजना का उद्देश्य राज्य के हर परिवार की एक महिला को उनकी पसंद का रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करना है। हमलोगों ने नवम्बर, 2005 में सरकार बनने के बाद से ही महिला सशक्तीकरण के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

आतंकवाद के खिलाफ मानवता की जीत का स्वर्णिम अध्याय है ऑपरेशन सिंदूर : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ मानवता की लड़ाई का एक स्वर्णिम अध्याय है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस और रिपोर्टिंग प्रणाली के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के योगदान की तारीफ की। आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। स्कोप एमिनेंस अवार्ड्स को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने साल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भूमिका पर बात की। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने राजस्व और लाभ सहित प्रमुख वित्तीय मानकों पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि तीन–चौथाई सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम लाभ कमा रहे हैं, और पिछले दशक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का शुद्ध लाभ काफी बढ़ा है।

ऑपरेशन सिंदूर में आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम की रही अहम भूमिका

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सार्वजनिक उद्योगों ने सुशासन और पारदर्शिता के क्षेत्र में मानक स्थापित किए हैं। राष्ट्रपति ने मेक इन इंडिया अभियान की अहमियत पर कहा श्सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। देश के रक्षा क्षेत्र का विशेष उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि श्ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आतंकवादी शिविरों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया और भारत पर हमले के प्रयासों को विफल कर दिया। स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने अचूक क्षमता का प्रदर्शन किया। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने इस प्रणाली के निर्माण में योगदान दिया है। यह उनके लिए बहुत गर्व की बात है। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि नवाचार और भारत की बढ़ती तकनीकी विशेषज्ञता से राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का बड़ा योगदान है। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों ने कृषि, खनन और अन्वेषण, विनिर्माण, प्रसंस्करण और सेवाओं सहित कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मुर्मू ने आगे बताया कि महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास सरकार की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में से एक है।

एक-दूसरे को नीचा दिखाने की सस्ती राजनीति से देश का माहौल खराब ना करें : मायावती

लखनऊ, (संवाददाता)। बिहार के दरभंगा में कांग्रेस और राजद की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मंच से कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर देशभर में राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने भी इस प्रकरण पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने बिना नाम लिए प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हुई अभद्र टिप्पणी की निंदा की है। मायावती ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश में खासकर राजनैतिक स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता हुआ स्तर अति–दुखद एवं चिंतनीय है। इस संबंध में सभी पार्टियों की राजनीति, पार्टी के संविधान के हिसाब से विचार और सिद्धान्तों के आधार पर, देश व करोड़ों गरीबों व आमजन के हित में होनी चाहिए, जो कि खासकर पिछले कुछ वर्षों से सही से देखने को नहीं मिल रहा है, जबकि इस दौरान देश के सामने विभिन्न प्रकार की आन्तरिक एवं बाहरी चुनौतियां काफी बढ़ी हैं। उन्होंने कहा कि देश के उच्च सरकारी व गैर–सरकारी संस्थाओं व विशेषकर राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के बारे में जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय, अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी आदि सार्वजनिक तौर पर करके उनकी व देश की छवि को भी धूमिल करने के जो प्रयास किये जा रहे हैं, वह अति–दुखद व चिंतनीय है। खासकर चुनाव के समय यह प्रक्रिया और भी अधिक विषैली व हिंसक हो जाती है। इसी क्रम में अभी बिहार में भी जो कुछ देखने व सुनने को मिला है, वह देश की चिन्ता को बढ़ाने वाला है। मायावती ने आगे कहा कि बसपा शुरू से ही सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के अम्बेडकरवादी सिद्धान्त और नीति पर आयरन दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पार्टी व सरकार चलाने का साहस दिखाने वाली पार्टी होने के कारण किसी भी प्रकार की दूषित व जहरीली राजनीति के खिलाफ है और दूसरों से भी यही उम्मीद करती है कि वे देश व आमजन के हित में घिनौनी स्वार्थ की राजनीति करने से दूर रहें।

राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि : सीएम सिद्धारमैया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को बड़ा एलान किया। उन्होंने राष्ट्रीय खेलों में पदक विजेताओं की पुरस्कार राशि में वृद्धि की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि सरकार एथलीटों को समर्थन देने और उन्हें अधिक ऊंचाइयां हासिल करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिद्धारमैया ने उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार देते करते हुए कहा, श्हमने स्वर्ण पदक विजेताओं को सात लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को पांच लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को तीन लाख रुपये देने का फैसला किया है। इन खेलों में कर्नाटक 34 स्वर्ण, 18 रजत और 28 कांस्य पदकों के साथ पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। सीएम ने आगे कहा, श्यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। मुझे उम्मीद है कि कर्नाटक अगले खेलों में पहला स्थान हासिल करेगा। इस दौरान सिद्धारमैया ने याद दिलाया कि 2015 में उनके पिछले कार्यकाल के दौरान स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं के लिए क्रमशः पांच लाख रुपये, तीन लाख रुपये और दो लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा, श्कर्नाटक ओलंपिक संघ ने राशि बढ़ाने का आग्रह किया था। हमने उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और राशि में संशोधन किया है।श सिद्धारमैया ने यह भी कहा कि एथलीटों को पदक जीतने में मदद करने वाले प्रबंधकों और कोचों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, श्सरकार राज्य में खेलों को हर संभव सहयोग देगी। मैं शुरू से ही एथलीटों की मांगों को पूरा करता रहा हूं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पदक विजेताओं को भी मिलेगा लाभ मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पदक विजेताओं को सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाएगा।

असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते, जो बार–बार पाकिस्तान जाते हों, अमित शाह

गुवाहाटी, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि असम का नेतृत्व ऐसे लोगों के हाथ में नहीं हो सकता, जो बार–बार पाकिस्तान जाते हैं। उन्होंने इशारों में असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई पर यह टिप्पणी की, जिनके पाकिस्तान से कथित संबंधों की बात सामने आई है। यहां पंचायत प्रतिनिधियों की एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि उन्होंने असम विधानसभा चुनावों के लिए बिगुल बजा दिया है। राज्य में मार्च–अप्रैल 2026 में चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को असम का नेतृत्व नहीं करना चाहिए, जो घुसपैठियों और अतिक्रमणकारियों से सहानुभूति रखते हैं। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरे देश में विकास कार्य किए हैं और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने उन योजनाओं को हर घर तक पहुंचाया है। इन विकास कार्यों के दम पर भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए अगले साल लगातार तीसरी बार असम में सरकार बनाएगा। कांग्रेस पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि असम का नेतृत्व उन लोगों के पास नहीं होना चाहिए जो घुसपैठियों का समर्थन करते हैं और अतिक्रमण को बढ़ावा देते हैं। गौरव गोगोई की तरफ इशारा करते हुए शाह ने कहा, असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते जो बार–बार पाकिस्तान जाते हैं। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा ने लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंधों को लेकर हमला बोला है। मुख्यमंत्री सरमा ने दावा किया था।

आरबीआई के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को आईएमएफ में मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ. उर्जित पटेल को इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड (आईएमएफ) में कार्यकारी निदेशक के रूप में तीन साल के लिए नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। डॉ. पटेल ने 2016 में रघुराम राजन के बाद आरबीआई के 24वें गवर्नर के रूप में पदभार संभाला था। उनके कार्यकाल के दौरान भारत में नोटबंदी जैसा बड़ा आर्थिक फैसला लिया गया था। इस फैसले की पृष्ठभूमि में डॉ. पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। 2018 में डॉ. पटेल ने व्यक्तिगत कारणों से आरबीआई गवर्नर पद से इस्तीफा दे दिया था। वे पहले ऐसे गवर्नर बने जिन्होंने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दिया और 1992 के बाद सबसे कम कार्यकाल तक आरबीआई गवर्नर रहे। अपने कार्यकाल में उन्होंने एक और महत्वपूर्ण नीति पहल की। उन्होंने महंगाई दर की ऊपरी सीमा 4 प्रतिशत तय करने की सिफारिश की थी, जिसे बाद में सरकार ने स्वीकार किया। इस नीति के तहत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के आधार पर मुद्रास्फीति को 4 प्रतिशत के आसपास बनाए रखने का लक्ष्य निध ाारित किया गया। आरबीआई में गवर्नर बनने से पहले डॉ. पटेल डिप्टी गवर्नर के रूप में मौद्रिक नीति, आर्थिक अनुसंधान, सांख्यिकी और सूचना प्रबंधन, जमा बीमा, संचार और सूचना का अधिकार जैसे विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। डॉ. पटेल इससे पहले भी पांच साल तक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ से जुड़े रहे हैं। उन्होंने वाशिंगटन डीसी और फिर 1992 में नई दिल्ली में उप–स्थानिक प्रतिनिधि के रूप में कार्य किया। इसके अलावा, 1998 से 2001 तक वे वित्त मंत्रालय में सलाहकार रहे। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईडीएफसी लिमिटेड, एमसीएक्स लिमिटेड और गुजरात राज्य पेट्रोलियम निगम जैसी कई सार्वजनिक और निजी कंपनियों में भी प्रमुख जिम्मेदारियां निभाई हैं।

सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्य और अहिंसा के आगे असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। मारो और तोड़ो, जितना मारना–तोड़ना है, हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। उनकी यह टिप्पणी पटना में सत्तारूढ़ दल द्वारा श्मतदाता अधिकार यात्राश के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कथित तौर पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल के विरोध में निकाले गए एक विरोध मार्च के दौरान भाजपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद आई है। इससे पहले कांग्रेस महासचिव और संगठन प्रभारी केसी वेणुगोपाल ने भाजपा पर पार्टी के सदाकत आश्रम मुख्यालय पर हमला और तोड़फोड़ करने का आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने श्एक्स पर एक पोस्ट में कहा, श्मतदाता अधिकार यात्रा की बढ़ती लोकप्रियता और उनके खिलाफ जनता की बढ़ती भावनाओं से बौखलाकर भाजपा ने एक बार फिर हमें डराने और धमकाने के लिए अपने गुंडों को छोड़ दिया है।श उन्होंने कहा, श्पटना स्थित हमारे बिहार प्रदेश कांग्रेस कार्यालय सदाकत आश्रम पर एक मौजूदा कैबिनेट मंत्री और अन्य भाजपा नेताओं के नेतृत्व में किया गया हमला कायरतापूर्ण कृत्य है। यह हमें नाम पर चल रही व्यापक वोट चोरी का पर्दाफाश करने से नहीं रोकेगा।

संपादकीय

कोचिंग की मजबूरी

हाल के दिनों में कोचिंग का तेजी से बढ़ता प्रचलन अभिभावकों के बजट को बिगाड़ रहा है। छात्रों का कोचिंग जाना धीरे–धीरे अपरिहार्य माना जाने लगा है। जिसके चलते माता–पिता को अपने अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। हाल ही में भारत सरकार के एक सर्वेक्षण में पाया गया कि देश भर के लगभग हर चार में से एक स्कूली छात्र ने इस वर्ष निजी कोचिंग ली। कुल मिलाकर देश के 27 फीसदी विद्यार्थी निजी कोचिंग लेते हैं। यह प्रतिशत शहरों में ज्यादा है, जो सर्वे में करीब 31 फीसदी पाया गया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में शहरों की तुलना में कम– 25 फीसदी पाया गया है। पंजाब और हरियाणा जैसे राज्यों में यह कोई वैकल्पिक सुविधा नहीं है बल्कि शिक्षा प्रणाली की विसंगतियों से अपने बच्चों को उबारकर उनके बेहतर भविष्य की आस का जरिया है। उस स्थिति से उबरने की कोशिश है जो छात्रों को परीक्षा से पूर्व तनाव व परेशानी में धकेल देती है। केंद्र सरकार के व्यापक वार्षिक माड्यूलर सर्वेक्षण यानी सीएमएस में खुलासा हुआ है कि शहरी परिवार कोचिंग पर साल में औसतन चार हजार रुपये खर्च करते हैं। वहीं उच्चतर माध्यमिक छात्रों के लिये राशि बढ़कर दस हजार रुपये हो जाती है। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में यह खर्च कम हो जाता है। लेकिन फिर भी परिवार की आय पर दबाव जरूर बनाता है। कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (शिक्षा) के ये आंकड़े एक सच्चाई को उजागर करते हैं कि स्कूली पढ़ाई छात्रों की सभी जिज्ञासाओं को शांत नहीं कर पाती। यानी स्कूल छात्रों की परीक्षाओं के लिये अपेक्षित आत्मविश्वास प्रदान करने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहे हैं। जाहिर बात है कि यदि स्कूलों में पढ़ाई छात्राओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हो और उनकी जिज्ञासा कक्षा की पढ़ाई के दौरान शांत हो जाए, तो वे कोचिंग की आवश्यकता महसूस नहीं करेंगे। सर्वे बताता है कि आज देश में 56 फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या दो दिहाई है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में कोचिंग का बढ़ता प्रचलन आकांक्षाओं से ज्यादा व्यवस्थागत कमजोरी का संकेत है। वहीं पंजाब और हरियाण में,यह प्रचलन ज्यादा है जहां बोर्ड और प्रवेश परीक्षाओं का अधिक दबाव हावी रहता है। जिसके चलते कुकरमुत्तों की तरह कोचिंग सेंटर उग रहे हैं। नतीजा साफ है कि कक्षाओं में ठीक से पढ़ाई न होने के कारण छात्रों का ध्यान व पैसा स्कूल के समानांतर चलाए जा रहे कोचिंग सेंटरों को जा रहा है। कोचिंग सेंटर, जिनका मकसद सिर्फ मुनाफा जुटाना ही है, वे समाज में एक कृत्रिम स्पर्धा ट्यूशन पढ़ने व न पढ़ने वाले छात्रों के बीच पैदा कर रहे हैं। पारिवरिक परिस्थितियों के चलते ट्यूशन न पढ़ने वाले छात्र असुरक्षा व हीन भावना के शिकार हो जाते हैं। दरअसल, इस समस्या का समाधान कोचिंग को बाजार हिस्सा मानकर नहीं किया जा सकता है। प्रतिबंधा या सीमाएं निर्धारण से भी समस्या का समाधान करने के बजाय हम इस मुद्दे को और जटिल बना देंगे। बेहतर होगा कि स्कूल में कमजोर छात्रों को स्कूल के समय बाद अतिरिक्त कक्षाओं के जरिये मजबूती प्रदान की जाए। खासकर बोर्ड की परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों पर अधिक ध्यान व समय देकर स्कूल प्रबंधक रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी नहीं पड़ेगा।

हेराफेरी की डिग्री हासिल करने में माहिर वैश्विक नेता

दीपक

जहां जर्मनी जैसे देशों में सार्वजनिक जवाबदेही पेशेवर अपमान और इस्तीफे का कारण बन सकती है, वहीं कमजोर कघनून–व्यवस्था वाले देशों में नेता इन आरोपों को आसानी से नजरअंदाज कर सकते हैं। कुछ देशों को 'शोध प्रबंध कारखानों' से भी जूझना पड़ता है, जहां राजनेताओं

को गुप्त रूप से लिखे गए अकादमिक शोध–पत्र बिक्री के लिए उपलब्ध होते हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 1997 में सेंट पीटर्सबर्ग माइनिंग इंस्टिट्यूट से प्राप्त अपनी डिग्री को लेकर जांच का सामना करना पड़ा था, जब एक अमेरिकी शोधकर्ता ने दावा किया था कि उनके शोध प्रबंध के 16 पृष्ठ पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसरों द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन से शब्दशः चुराए गए थे। पुतिन ने इन आरोपों का कभी जवाब नहीं दिया। भारत की तरह रूस में भी 'घोस्ट राइटर्स' ठेके पर मिल जाते हैं, जो शोध प्रबंध लिखने में माहिर होते हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार, रूस में हर साल लगभग पांच लाख नकली डिग्री, डिप्लोमा बेचे जाते हैं। जर्मन रक्षा मंत्री थियोडोर जू गुटेनबर्ग अपने समय के पॉलिटिकल स्टार थे। वर्ष 2011 में उन्होंने तब इस्तीफा दिया था, जब एक विश्वविद्यालय समिति ने यह सुनिश्चित किया कि उन्होंने 2006 में अपने कानूनी शोध प्रबंध की 'जानबूझकर' हेराफेरी की थी। गुटेनबर्ग, 'गूगलबर्ग' के नाम से कुख्यात हो गए। उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि रद्द किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2013 में जर्मन चांसलर आंगेला मैर्केल को बड़ी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी जब उन्हें अपनी शिक्षा मंत्री एलन शावन का इस्तीफा लेना पड़ा। उन्होंने अपने अल्मा मेटर की शोध प्रबंध के कुछ हिस्सों को चुराकर डॉक्टरेट की उपाधि हासिल कर ली थी। यूरोपीय संसद की उपाध्यक्ष सिलवाना कोच–मेहरिन ने भी 2011 में दस्तावेजों की नकल की थी। डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, सिलवाना कोच–मेहरिन ने इस्तीफा दे दिया था। 2021 में, बर्लिन की मेयर पद की उम्मीदवार फ्रांजिस्का गिफी से उनकी डॉक्टरेट की उपाधि छीन ली गई। उनके विश्वविद्यालय ने निष्कर्ष निकाला कि उन्होंने जानबूझकर अपने शोध प्रबंध के कुछ हिस्सों की साहित्यिक चोरी की थी। यूरोपीय आयोग की वर्तमान अध्यक्ष उर्सुला फोन देयर लेयेन पर 2015 में ऐसी ही गड़बड़ी का आरोप लगा। तब इसकी जबरदस्त चर्चा हुई कि 1991 के उन्होंने अपने शोध प्रबंध में साहित्यिक चोरी की थी। हालांकि, उन्हें बड़ी चालाकी से बचाया गया। एक तथाकथित जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया कि उर्सुला का इरादा धोखा देने का नहीं था। उर्सुला फोन देयर लेयेन की कुर्सी और डॉक्टरेट की उपाधि दोनों बचा ली गई। हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय आमतौर पर युद्ध अपराध, मानवाधिकार हनन की सुनवाई करता है। वहां संभवतः पहली बार किसी पूर्व प्रधानमंत्री के फर्जी डिग्री के विरुद्ध सुनवाई हुई। रोमानिया के पूर्व प्रधानमंत्री विक्टर पोंटा पर 2004 के शोध प्रबंध के आधे से ज़्यादा हिस्से नकल या डॉक्युमेंटेशन चोरी के जरिये जमा करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, शुरू में उन्होंने इससे इनकार किया, लेकिन बाद में उन्होंने नकल किये जाने की बात स्वीकार की और अपनी डिग्री त्याग दी। 2015 में विक्टर पोंटा ने अन्य घोटालों के सिद्ध होने पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 2012 में, हंगरी के राष्ट्रपति पाल श्मिट ने अपने 1992 के शोध प्रबंध के अधिकांश भाग की साहित्यिक चोरी के कारण अपनी डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, इस्तीफा दे दिया था। रोमानियाई मंत्री थे, फ्लोरिन रोमन। 2021 में एक अखबार द्वारा अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में झूठ बोलने की खबर के बाद इस्तीफा दे दिया। वर्ष 2018 में, स्पेन की पॉपुलर पार्टी के दो हाई–प्रोफाइल राजनेताओं क्रिस्टीना सिफुएंटेस और पाब्लो कैसाडो पर किंग युआन कार्लोस विश्वविद्यालय से बिना क्लास अटेंड किये फर्जीवाड़े से मास्टर डिग्री प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था। बाद में सिफुएंटेस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व यूक्रेनी राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच की डॉक्टरेट और प्रोफेसरशिप पर तब सवाल उठाए गए, जब 2004 में राष्ट्रपति पद के लिए उनके आवेदन में व्याकरण संबंधी त्रुटियां पाई गईं। यूक्रेन के ही पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सेन्युक पर 2017 में अपने शोध प्रबंध में चोरी का माल चेंपने का आरोप लगाया गया था। संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब सहित खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में फर्जी प्रमाणपत्र एक बड़ी समस्या है। इराक के पूर्वगृह मंत्री, कासिम अल–अराजी, जो अल बद्र संगठन से जुड़े होने के लिए जाने जाते हैं, के पास डेनमार्क की गैर–मान्यता प्राप्त अलबोर्ग विज्ञान अकादमी से मास्टर डिग्री होने का खुलासा हुआ। इराक के ही पूर्व युवा एवं खेल मंत्री अहमद अल–उबैदी ने भी उसी गैर–मान्यता प्राप्त डेनिश संस्थान से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। दोनों की इस काण्ड में अच्छी–खासी फजीहत हुई। आठ साल पहले कुवैत में बड़े स्केल पर डिग्री घोटाले का खुलासा हुआ था। 2018 में जब इसकी जांच हुई, बड़ी संख्या में हाई–प्रोफाइल लोग फर्जी डिग्रियों के इस्तेमाल में लिप्त पाए गए। इस घोटाले में एक मिस्रवासी शामिल था, जिसने 'हाई–प्रोफाइल ग्राहकों' को सैकड़ों प्रमाणपत्र बेचे। उच्च शिक्षा मंत्रालय के दो कर्मचारियों को जालसाजी में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। वर्ष 2019 में, लेबनान के चार विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्रियां बेचने के आरोप में जांच की गई, और 40 से ज़्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। देश के उच्च शिक्षा महानिदेशक इस घोटाले में शामिल थे। सऊदी अरब में, अधिकारियों ने हजारों फर्जी इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रमाणपत्रों का पता लगाया है। वर्ष 2010 के दौरान, पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को लंदन के एक बिजनेस स्कूल से प्राप्त अपनी स्नातक की डिग्री के बारे में सवालों का सामना करना पड़ा था। हालांकि, पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले ने राष्ट्रपति पद के लिए डिग्री की आवश्यकता को रद्द कर दिया, जिससे जरदारी को फर्जी डिग्री घोटाले से बचने का मौका मिल गया। श्रीलंका में संसद अध्यक्ष अशोक रानवाला ने 23 दिसंबर, 2024 को अपनी पीएचडी फर्जी होने के आरोपों की वजह से इस्तीफा दे दिया। वो केवल 22 दिन स्पीकर की कुर्सी पर बैठ पाए। उनके अलावा शहरी विकास एवं आवास मंत्री अनुरा करुणातिलके और न्याय मंत्री हर्षना नानायकारा पर भी डॉक्टरेट की डिग्री होने का झूठा दावा करने के लिए विपक्ष हमलावर हो गया।

देश के सबसे स्वच्छ शहर में अस्वच्छ हरकतें

मोहन

आठ बार स्वच्छता का खिताब जीतने वाले इंदौर की स्वच्छता पर पिछले दिनों रहस्यमय कांड के दाग लगे, जिसके पीछे दो महिलाओं की शातिर दिमाग की हरकतें थीं। उन्होंने घटनाओं को जिस तरह साजिश में गूंथा, वह आश्चर्य करने वाली बात है। किसी अपराध फिल्म की जैसी स्क्रिप्ट रचने वाली महिलाओं का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था। इंदौर में करीब 3 महीने में दो ऐसी घटनाएं हुई, जिन्होंने पूरे देश में इंदौर की एक अलग छवि निर्मित की। यह छवि है आपराधिक कृत्य वाली और संयोग कि कृत्य करने वाली दोनों महिलाएं हैं। पहले सोनम रघुवंशी का नाम आया जिसकी 11 मई को राजा रघुवंशी से शादी हुई थी। उसने प्रेमी के साथ शादी के पहले ही साजिश रचकर पति राजा रघुवंशी को हनीमून ट्रिप पर शिलांग में सुपारी देकर मरवा दिया। इसके बाद अर्चना तिवारी ने परिवार के शादी के दबाव के आगे झुकने के बजाय खुद को परिदृश्य से गायब करने की चाल चली। राखी पर अपने घर कटनी जाते समय वह रास्ते में ट्रेन से बेहद शातिराना तरीके से गायब हो गई। उसके गायब होने की साजिश में एक लड़का सारांश सामने आया। रेलवे पुलिस परेशान रही। उसे नर्मदा और जंगल में तलाश किया गया। लेकिन, बाद में पुलिस ने लिंक जोड़कर 12 दिन बाद उसे भारत–नेपाल की सीमा पर पकड़ लिया। इंदौर में रहकर जज की तैयारी कर रही 29 साल की कटनी की अर्चना तिवारी की गुमशुदगी और बरामद होने की गुत्थी हैरत पैदा करने वाली है। रेलवे पुलिस की जांच ने साफ किया कि यह कोई अपहरण या हादसा नहीं, बल्कि खुद अर्चना की रची गई साजिश वाली कहानी थी। समाज में महिलाओं की एक संवेदनशील छवि है। इसलिए सहज भरोसा नहीं होता कि कोई मध्यमवर्गीय परिवार की लड़की खुद को शादी से बचाने के लिए इतनी गहरी साजिश रच सकती है। अर्चना घर वालों के इस फैसले से नाराज थी कि उसकी शादी एक पटवारी से की जा रही है, जबकि वो सिविल जज बनने की तैयारी कर रही थी। सवाल उठता है कि उसने विरोधा न करके अपने आपको परिदृश्य से गायब करने का उपक्रम क्यों किया। यदि पूरे घटनाक्रम पर नजर दौड़ाई जाए, तो एक बात साफ नजर आती है कि जिस तरह फुलप्रूफ षड्यंत्र रचा गया, वो किसी सामान्य लड़की के बस की बात शायद नहीं हो सकती। सात अगस्त की रात अर्चना इंदौर से नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन से रक्षाबंधन के लिये कटनी के लिए रवाना हुई थी। लेकिन, वहां नहीं पहुंची। देर रात उसका मोबाइल बंद हो गया। घबराए परिवार ने भोपाल के जीआरपी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि अर्चना ने गुम होने की योजना पहले से बना रखी थी। वकील होने के नाते उसे कानून और जांच प्रक्रिया की बारीकियां पता थीं। उसने सोचा कि अगर मामला जीआरपी में दर्ज होगा, तो उस पर गहन जांच नहीं होगी। इसी सोच के तहत इटारसी के पास जंगल में अर्चना ने अपना मोबाइल फोन फेंक दिया, ताकि लोकेशन ट्रेस न हो सके। उसने साथी सारांश के साथ ट्रेन से उतरने के बाद ऐसा रास्ता चुना, जहां टोल टैक्स और सीसीटीवी कैमरे न हों। इस सफर में सारांश दूरी बनाकर उसके साथ रहा। पूरे घटनाक्रम में अर्चना के दो दोस्तों सारांश और ड्राइवर तेजेंद्र की अहम भूमिका रही। सारांश से अर्चना की पहचान इंदौर में पढ़ाई के दौरान हुई थी। तेजेंद्र ने बीच रास्ते में ट्रेन में अर्चना को साड़ी और कपड़े दिए। तेजेंद्र और सारांश की मदद से अर्चना इटारसी से निकलकर शुजालपुर पहुंची। उन्होंने लंबा रूट लिया ताकि किसी टोल प्लाजा या कैमरे में न आएं। वह इंदौर, बुरहानपुर, हैदराबाद व जोधपुर होते हुए दिल्ली पहुंची।

..... विविध .....

बड़े काम का है ये पीले फूल वाला पौधा, फैटी लिवर के मरीज आज से पीना शुरू कर दें इसकी चाय

आयुर्वेद में ऐसे कई पौधे पाए गए हैं जो खतरनाक से खतरनाक बीमारियों के दुश्मन हैं। आज हम सिंहपर्णी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे भी कहा जाता है। यह पौधा जंगली घास की तरह दिखता है, लेकिन औषधीय गुणों का खजाना है। आयुर्वेद में इसे कई बीमारियों का रामबाण इलाज माना गया है, खासकर लिवर और किडनी की समस्याओं में। चलिए जानते हैं इसके फायदे।

सिंहपर्णी पौधे के फायदे

लिवर को करता है मजबूत– सिंहपर्णी का जूस या चाय लिवर को डिटॉक्स करता है। यह खराब और सड़े हुए लिवर सेल्स को रिपेयर करने में मदद करता है। यह फैटी लिवर और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों में बेहद लाभकारी हैं।

किडनी हेल्थ में फायदेमंद– यह पौधा नैचुरल डाइयूरेटिक (मूत्रवर्धक) है। यह शरीर से टॉक्सिन्स और अतिरिक्त पानी बाहर निकालने में मदद करता है। किडनी स्टोन और यूरिन इंफेक्शन से छुटकारा पाने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

पाचन शक्ति बढ़ाता है– यह पेट साफ रखने में मदद करता है। कब्ज, गैस और एसिडिटी की समस्या को कम करता है। इसमें भूख बढ़ाने वाले गुध भी होते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल करता है– यह डायबिटीज रोगियों के लिए भी बेहद फायदेमंद है। यह ब्लड शुगर लेवल को बैलेंस करता है और इंसुलिन की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है।

इम्युनिटी बूस्टर– इसमें विटामिन A, C, K, कैल्शियम और आयरन भरपूर मात्रा में होता है। इसके अलावा यह स्किन से टॉक्सिन्स हटाता है, जिससे पिंपल्स और एक्ने कम होते हैं।

हार्ट हेल्थ के लिए अच्छारू यह पौधा कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करता है और ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है।

इस पौधे को इस्तेमाल करने के तरीके

सिंहपर्णी चाय को रोजाना पीने से लिवर और किडनी डिटॉक्स होते हैं। इसकी पत्तियों का जूस निकालकर पीने से भी फायदा होता है। इसके कैप्सूलध्पाउडर आयुर्वेदिक स्टोर्स पर उपलब्ध होते हैं।

ध्यान में रखें ये बात

गर्भवती महिलाएं, स्तनपान कराने वाली माताएं या किसी गंभीर दवा पर रहने वाले लोग इसे डॉक्टर से पूछकर ही इस्तेमाल करें। ज़्यादा मात्रा में सेवन करने से पेट दर्द या डायरिया हो सकता है।

ग्लॉसी लिपस्टिक को बनाएं मैट वो भी बिना खर्च किए

अगर आपके पास ग्लॉसी लिपस्टिक भरी पड़ी हैं लेकिन आप मैट लुक चाहती हैं, तो अब न तो पैसे खर्च करने की जरूरत है और न ही महंगी मैट लिपस्टिक खरीदने की। आज हम आपको एक सिंपल, स्मार्ट और बजट–फ्रेंडली ब्यूटी हैक बता रहे हैं जिससे आप सिर्फ 3 स्टेप्स में अपनी ग्लॉसी लिपस्टिक को मैट लुक में बदल सकती हैं। यह ट्रिक न सिर्फ आसान है, बल्कि बेहद असरदार भी है और हर मेकअप लवर के लिए परफेक्ट है। तो चलिए जानते हैं पूरा तरीका आसान भाषा में

स्टेप 1– सबसे पहले लगाएं अपनी फेवरेट ग्लॉसी लिपस्टिक

अपनी पसंदीदा ग्लॉसी लिपस्टिक को हल्के हाथों से होंठों पर लगाएं। चाहें तो पहले लिपलाइनर लगाकर लिप्स को शेप दें, इससे लिपस्टिक ज़्यादा देर टिकेगी। इस स्टेप से आपके होंठों पर एक अच्छा बेस बन जाएगा।

स्टेप 2– टिशू पेपर से एक्स्ट्रा शाइन हटाएं

अब एक साफ टिशू पेपर लें और लिप्स पर हल्के–हल्के दबाएं। ध्यान रखें, टिशू को रगड़ें नहीं, सिर्फ धीरे–धीरे प्रेस करें। इससे लिपस्टिक का कलर बना रहेगा लेकिन ओवर शाइन हट जाएगी।

स्टेप 3– हल्का पाउडर लगाकर फिनिशिंग दें

अब लास्ट स्टेप में अपने पास मौजूद ट्रांसलूसेंट पाउडर या कॉम्पैक्ट पाउडर लें। एक छोटा ब्रश या फिंगर से हल्के हाथों से पाउडर को होंठों पर लगाएं।

पैदा होते ही जा रही लाखों बच्चों की जान, डिलीवरी के समय एक गलती और हो जाता जानलेवा इंफेक्शन

नवजात शिशुओं में निमोनिया एक गंभीर और जीवन–घातक बीमारी मानी जाती है। यह समस्या जन्म के समय या जन्म के कुछ दिनों बाद ही हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (भ्ब्) के अनुसार, हर साल लाखों बच्चों की मौत निमोनिया से होती है, जिनमें सबसे ज्यादा संख्या नवजात और 5 साल से कम उम्र के बच्चों की होती है। भारत सहित विकासशील देशों में इसकी दर और भी ज्यादा है। आइए जानते हैं जन्म के समय बच्चों को निमोनिया होने के कारण, लक्षण और इससे बचाव के तरीके।

जन्म के समय क्यों होता है निमोनिया?

नवजात शिशुओं में निमोनिया की सबसे बड़ी वजह उनका कमजोर इम्यून सिस्टम और अधूरे विकसित फेफड़े होते हैं। जन्म के शुरुआती दिनों में अगर बच्चा किसी संक्रमण के संपर्क में आ जाए, तो यह सीधे फेफड़ों तक पहुंचकर सांस लेने में दिक्कत और गंभीर निमोनिया का कारण बन सकता है।

संक्रमण का खतरा प्रसव के दौरान

अक्सर नवजात शिशुओं में निमोनिया का खतरा प्रसव के दौरान मां से संक्रमण के कारण भी बढ़ जाता है। अगर गर्भवती महिला को डिलीवरी से पहले किसी तरह का संक्रमण हो, जैसे कि योनि संक्रमण, मूत्र संक्रमण या गर्भाशय से जुड़ी कोई समस्या, तो जन्म के समय यह संक्रमण बच्चे तक पहुंच सकता है। कई बार यह बैक्टीरिया या वायरस सीधे शिशु के फेफड़ों में पहुंच जाते हैं और जन्म के तुरंत बाद बच्चे को सांस लेने में कठिनाई या निमोनिया जैसी गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए गर्भावस्था के दौरान मां की नियमित जांच और समय पर इलाज बेहद जरूरी माना जाता है।

अस्वच्छ डिलीवरी

यदि बच्चे का जन्म अस्वच्छ वातावरण में हो, जैसे अस्पताल या घर में साफ–सफाई का सही ध्यान न रखा गया हो, तो नवजात शिशु आसानी से संक्रमण का शिकार हो सकता है। जन्म के समय इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण या हाथों की गंदगी भी बैक्टीरिया और वायरस फैलाने का कारण बन सकती है। यह संक्रमण शिशु के फेफड़ों तक पहुंचकर निमोनिया का रूप ले सकता है। इसलिए डिलीवरी हमेशा स्वच्छ माहौल और प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी की देखरेख में कराना चाहिए।

समय से पहले जन्म

जो बच्चे समय से पहले पैदा होते हैं, उनके फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं होते। ऐसे बच्चों

में सांस लेने की क्षमता सामान्य बच्चों की तुलना में कम होती है और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर रहती है। यही कारण है कि प्रीमैच्योर शिशु में सांस की तकलीफ और निमोनिया का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इन बच्चों को जन्म के बाद विशेष देखभाल और डॉक्टर की लगातार निगरानी की जरूरत होती है।

कमजोर इम्यूनिटी

नवजात शिशु का इम्यून सिस्टम (रोग प्रतिरोधक क्षमता) जन्म के शुरुआती दिनों में बहुत कमजोर होता है। अगर बच्चे को जन्म के तुरंत बाद मां का पहला दूध (कोलोस्ट्रम) नहीं मिलता, तो उसकी रोग प्रतिरोधक शक्ति और भी कम हो जाती है। ऐसे में बच्चा बाहरी वातावरण से आने वाले बैक्टीरिया और वायरस का सामना नहीं कर पाता और निमोनिया जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाता है।

नवजात में निमोनिया के लक्षण

नवजात शिशुओं में निमोनिया की पहचान करना कई बार मुश्किल हो जाता है, क्योंकि वे अपने दर्द या परेशानी को बोलकर नहीं बता सकते। लेकिन कुछ लक्षण ऐसे हैं जिन्हें देखकर माता–पिता को तुरंत सतर्क हो जाना चाहिए। यदि बच्चे को बार–बार या लगातार तेज बुखार आता है, बार–बार खांसी होती है या सांस लेने में कठिनाई महसूस होती है, तो यह निमोनिया का संकेत हो सकता है। कई बार बच्चे की सांस बहुत तेज हो जाती है और छाती धंसने लगती है। इसके अलावा, बच्चा दूध पीने से इंकार कर देता है या बहुत कम खाता है। गंभीर स्थिति में शरीर ठंडा पड़ने लगता है या नीला पड़ने लगता है, जो इस बात का संकेत है कि शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो रही है। इन लक्षणों को कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि देर होने पर यह स्थिति बच्चे की जान तक ले सकती है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना बेहद जरूरी है।

बचाव के तरीके

मां का पहला दूध : जन्म के तुरंत बाद बच्चे को मां का पहला दूध जरूर पिलाएं, यह बच्चे की इम्यूनिटी मजबूत करता है।

गर्भवती महिला की नियमित जांच– गर्भावस्था के दौरान समय–समय पर डॉक्टर से चेकअप कराना जरूरी है।

साफ–सुथरा माहौल – बच्चे के जन्म के समय डिलीवरी रूम और आसपास का माहौल पूरी तरह स्वच्छ होना चाहिए।

समय पर टीकाकरण – नवजात और छोटे बच्चों को BCG, Hib और Pneumococcal जैसी वैक्सीन समय पर दिलवाना चाहिए।

घर और आसपास सफाई रू बच्चे को धूल, धुएं और प्रदूषण से बचाकर रखें।

डॉक्टर की सलाह पर उपचार रू अगर बच्चा बार–बार बीमार हो या सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

नवजात शिशुओं में निमोनिया एक खतरनाक बीमारी है जो अगर समय पर पहचान और इलाज न मिले तो जानलेवा बन सकती है। हर साल लाखों मासूम इस संक्रमण से अपनी जान गंवा देते हैं। लेकिन गर्भावस्था से लेकर बच्चे के जन्म और उसके बाद तक सही देखभाल, साफ–सफाई, स्तनपान और समय पर टीकाकरण से इस बीमारी से बचाव संभव है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पीएमजीएसवाई की सड़कों में एफडीआर तकनीक व ग्रीन टेक्नोलॉजी पर दो दिवसीय सेमिनार को संबोधित किया

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि ग्रामीण सड़कों का उन्नयन राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने आईआरसी और यूपीआरआरडीए द्वारा आयोजित दो दिवसीय सेमिनार में सड़क निर्माण में एफडीआर तकनीक और ग्रीन टेक्नोलॉजी के उपयोग पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) में उत्तर प्रदेश ने अग्रणी भूमिका निभाई है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि एफडीआर तकनीक से बनी सड़कें कम लागत में अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल होती हैं। इन सड़कों की औसत आयु लगभग 15 वर्ष अनुमानित है और इनके निर्माण से कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आई है। इस तकनीक को अपनाकर प्रदेश में लगभग 6,000 किलोमीटर मार्ग बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 5,200 किलोमीटर का कार्य पूरा हो चुका है। प्रति किलोमीटर लागत में लगभग 20 प्रतिशत की बचत हुई है, जिससे प्रति किलोमीटर 100 ट्रक गिट्टी और 12,000 लीटर डीजल की बचत हो रही है।उन्होंने बताया कि एफडीआर तकनीक के साथ वेस्ट प्लास्टिक का उपयोग भी किया जा रहा है। अब तक 700 मीट्रिक टन से अधिक वेस्ट प्लास्टिक का इस्तेमाल हो चुका है, और पीरियाडिकल रिन्यूवल में 1,200 मीट्रिक टन वेस्ट प्लास्टिक की खपत का अनुमान है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण सड़क नेटवर्क के विस्तार से किसानों, ग्रामीण उद्यमियों और आम जनता को बहुत लाभ मिला है। सड़कें ग्रामीणों का हाईवे सिद्ध हो रही हैं और रोड कनेक्टिविटी से समग्र विकास, रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आसान हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों की आत्मा मजबूत सड़कों से खिलती है।इस अवसर पर उन्होंने आईआरसी का नाम भारतीय सड़क संघ करने का सुझाव दिया और ग्राम्य विकास विभाग व यूपीआरआरडीए की पुस्तिका का विमोचन किया। उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभागों, सामग्री निर्माणकर्ताओं, कंपनियों और सप्लायर्स द्वारा रोड कंस्ट्रक्शन के प्रयासों की सराहना की।केशव प्रसाद मौर्य ने भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेई द्वारा 2000 में शुरू की गई पीएमजीएसवाई को ऐतिहासिक बताया और कहा कि फेज–03 में यूपी मॉडल की थ्रेशोल्ड–क्रश तकनीक को बड़े पैमाने पर लागू किया गया। उन्होंने सभी राज्यों और विशेषज्ञों से आह्वान किया कि वे भारत में निर्मित सामग्री का अधिकतम उपयोग करें और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहयोग दें। सेमिनार को आईआरसी के अध्यक्ष मनोरंजन परीडा, महासचिव राहुल गुप्ता, डीजी एनआरआईडीए अमित शुक्ला, आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग गौरी शंकर प्रियदर्शी,

यूपीआरआरडीए के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखंड प्रताप सिंह सहित विभिन्न विशेषज्ञों ने संबोधित किया। आयुक्त गौरी शंकर प्रियदर्शी ने उत्तर प्रदेश में पीएमजीएसवाई की ऐतिहासिक प्रगति पर प्रकाश डाला, जबकि अखंड प्रताप सिंह ने उत्तर प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण की उपलब्धियों और नवाचारों का विवरण प्रस्तुत किया। उपमुख्यमंत्री ने समापन में कहा कि कम लागत में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल सड़कें विकसित भारत के संकल्प का आधार हैं और इस सेमिनार से सड़क निर्माण के क्षेत्र में नई दिशा और प्रेरणा मिलेगी।

संक्षिप्त खबरें

लखनऊ में नदी में डूबने से दो मासूमों की मौत, एक बचाया गया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के थाना गोसाईंगंज क्षेत्र के ग्राम लोधपुरवा मजरा सलेमपुर में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हो गया। गांव के तीन मासूम बच्चे खेलते–खेलते घर से करीब 500 मीटर दूर लोनी नदी पहुंच गए और नहाने लगे। इस दौरान गहरे पानी में चले जाने से तीनों बच्चे डूबने लगे।सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बच्चों को बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक गौरव (पुत्र साजन, उम्र 4 वर्ष) और हिमानी (पुत्री अंकित, उम्र 4 वर्ष) की मौत हो चुकी थी। तीसरे बच्चे विराट (पुत्र गुड्डू, उम्र 4 वर्ष) को डूबने से बचा लिया गया और उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है।दुर्घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है। बच्चों के परिजन मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना पुलिस आवश्यक कार्यवाही में जुटी है।

लखनऊ पुलिस ने चौन स्नैचिंग के शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पुलिस, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की क्राइम टीम और सर्विलांस टीम (डीसीपी उत्तरी) ने थाना अलीगंज क्षेत्र एवं अन्य थाना क्षेत्रों में सक्रिय एक शातिर चौन स्नैचर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त विशाल कुमार, पुत्र अशोक कुमार, निवासी एल–1ध1219ध08 सचिवालय कालोनी, इन्दिरानगर, सर्वोदय नगर, थाना गाजीपुर, लखनऊ, उम्र 24 वर्ष, को केन्द्रीय विद्यालय के पास मोटर साइकिल पर संदिग्ध गतिविधि करते हुए पकड़ा गया।पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि उसने कुल आठ चौन स्नैचिंग की वारदातें की हैं। उसने बताया कि महिला को चौन पहने हुए देखकर पहले उसकी रेकी करता और फिर झपट्टा मारकर चौन छीनकर फरार हो जाता था। गिरफ्तार अपराधी ने दिनांक 25 अगस्त 2025 को एक महिला के गले से चौन छीनने की वारदात को भी स्वीकार किया। इसके अलावा उसने पूर्व में थाना विकासनगर क्षेत्र से भी चौन झपटमारी की थी।पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से दो टूटी हुई पीली धातु की चौन बरामद की है। इसके साथ ही घटना में प्रयुक्त नीले रंग की हॉण्डा लियो मोटरसाइकिल (संख्या यूपी 32 एलपी 5438) को सीज कर लिया गया। बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया है।पुलिस ने बताया कि अभियुक्त को विधिक कार्यवाही पूरी कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। इसके साथ ही अन्य थाना और जनपदों में उसके आपराधिक इतिहास की जांच भी जारी है।इस गिरफ्तारी में क्राइमध्सर्विलांस टीम डीसीपी उत्तरी और थाना अलीगंज की पुलिस टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। टीम के प्रमुख अधिकारी उपनिरीक्षक विश्वनाथ प्रताप, अशोक कुमार सोनकर, निरीक्षक नदीम, अवधेश गिरी, संतोष कुमार, अमित कुमार गौतम, विशेष दुहुण का0 राघवेन्द्र प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक संतोष कुमार आद्याप्रसाद दूबे, का0 रजत यादव, का0 अमन कुमार शुक्ला और का0 कौशलेन्द्र शामिल रहे।पुलिस ने नागरिकों से अपील की है। कि वे संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत स्थानीय थाने या क्राइमध्सर्विलांस टीम को दें, ताकि ऐसे अपराधियों पर शीघ्र अंकुश लगाया जा सके।

बीबीएयू में विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद योजना के अंतर्गत टैबलेट वितरित

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ में अंतिम वर्ष (पास आउट) के विद्यार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद योजना के अंतर्गत टैबलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण मंत्री असीम अरुण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और बाबा साहेब के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ हुआ।

विश्वविद्यालय कुलगीत के पश्चात अतिथियों को पौधा और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। डीएसडब्ल्यू प्रो. नरेंद्र कुमार ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। मंच संचालन डॉ. तरूणा ने किया।मंत्री असीम अरुण ने अपने संबोधन में कहा कि यदि युवा सही दिशा में कार्य करें तो उनकी सोच और कल्पनाशक्ति प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का निर्माण युवाओं की शक्ति से ही संभव है। समाज में नवाचार और नई सोच की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने भारत के प्राचीन व्यापारिक इतिहास का उल्लेख किया और विद्यार्थियों को "त्मवितउ, च्मतवितउ और ज्तंदेवितउ" का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वितरित टैबलेट अवसर की समानता का प्रतीक हैं, जो शिक्षा और उद्यमिता के नए द्वार खोलेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि बीबीएयू में डॉ. अम्बेडकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और अभ्युदय योजना को मिलाकर विद्यार्थियों के हित में कार्य किया जाएगा तथा इस वर्ष छात्रवृत्ति वितरण में किसी को समस्या नहीं होगी।

'पलायन का प्रोपेगेंडा' भाजपा सरकार की सबसे बड़ी नाकामी : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर पलायन के मुद्दे पर गंभीर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगियों द्वारा फैलाया जा रहा 'पलायन का प्रोपेगेंडा' दरअसल 9 साल पुरानी भाजपा सरकार की सबसे बड़ी नाकामी का प्रतीक है।अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा शासन में जनता का विश्वास टूट गया है। मानसिक स्तर पर सरकार लोगों में भरोसा जगाने में असफल रही। सामाजिक स्तर पर भाजपा की नफरत और साम्प्रदायिक राजनीति ने समाज में सौहार्द नहीं बनने दिया। आर्थिक स्तर पर सरकार रोजगार उपलब्ध कराने में पूरी तरह विफल रही, जिसकी वजह से युवाओं को मजबूरी में अन्य राज्यों का रुख करना पड़ा।उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने रोजगार और कारोबार में उत्तर प्रदेश के लोगों की तुलना में गुजरात के लोगों को अधिक अवसर दिए। स्किल मैपिंग जैसी योजनाओं के कोई ठोस नतीजे सामने नहीं आए और लोगों को रोजी–रोटी की तलाश में बाहर जाना पड़ा।सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश का संतुलित विकास करने में भी नाकाम रही। उन्होंने कहा कि न तो अरबपतियों को निवेश का सकारात्मक वातावरण मिला और न ही आम नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। शिक्षा के क्षेत्र में भी सरकार विफल रही, जिसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक संस्थान प्रदेश में स्थापित नहीं हो सके। इन्हीं कारणों से पिछले 11 वर्षों में भारतीयों का विदेश पलायन ऐतिहासिक रूप से बढ़ा है।अखिलेश यादव ने भाजपा पर मिथ्या प्रचार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह उत्तर प्रदेश की छवि को धूमिल करता है और निवेशक भी राज्य में निवेश करने से हिचकिचाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को समझना होगा कि कौन लोग और किसके इशारे पर उत्तर प्रदेश की छवि बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं।उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार तभी काम करती है जब दोनों इंजन एक ही दिशा में चलें, न कि आमने–सामने। भाजपा की गुटबाजी और आंतरिक खींचतान ने प्रदेश को नुकसान पहुंचाया है। अखिलेश यादव ने कहा कि अब उत्तर प्रदेशवासी न तो भाजपा की गुटबाजी का शिकार होंगे और न ही उसके झूठे प्रचार से भ्रमित होंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के जाने से ही प्रदेश की छवि सुधरेगी।

संक्षिप्त खबरें

फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर एमबीबीएस में लिया दाखिला

लखनऊ, (संवाददाता)। नीट यूजी 2025 की काउंसिलिंग में सतर्कता के बाद भी सेंध लग गई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित का फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर 79 अभ्यार्थियों ने सीटों पर आवंटन पा लिया। इनमें 71 ने प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर दाखिला भी ले लिया। मामला पकड़ में आया तो जिलाधिकारियों से सत्यापन कराया गया। जांच में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित के प्रमाण पत्र फर्जी मिले। इसके बाद शुक्रवार को सभी 71 का दाखिला निरस्त कर दिया गया है। इन छात्रों के खिलाफ केस भी दर्ज कराया जाएगा। प्रदेश के राजकीय एवं स्वशासी मेडिकल कॉलेजों एवं चिकित्सा संस्थानों में पहले चरण में 4442 सीटों पर दाखिले की प्रक्रिया शुरू हुई। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित उपश्रेणी के तहत दो प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था है। इस श्रेणी में 88 सीटें आवंटन के लिए तय थीं। 79 सीटें ऑनलाइन काउंसिलिंग के जरिए आवंटित की गईं। इनमें 71 अभ्यर्थियों ने संबंधित कॉलेजों में प्रवेश ले लिया। प्रवेश प्रकिया के दौरान स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, फिरोजाबाद में एक छात्र का प्रमाण पत्र संदिग्ध मिला। आगरा से जारी हुए इस प्रमाण पत्र का आगरा जिलाधिकारी से सत्यापन कराया गया। जिलाधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में प्रमाण पत्र को फर्जी बताया। इसके बाद अन्य मेडिकल कालेजों में इस श्रेणी में सीटें हासिल करने वाले अभ्यर्थियों के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित उपश्रेणी के प्रमाण पत्रों का सत्यापन कराया गया। आगरा, गाजीपुर, बलिया, भदोही, मेरठ, सहारनपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गाजियाबाद तथा बुलन्दशहर के जिलाधिकारी से प्रमाणपत्रों के सप्तापन की रिपोर्ट मांगी गई। जिलाधिकारियों की रिपोर्ट में 64 प्रमाण पत्र फर्जी मिले। अन्य की जांच चल रही है। इसके बाद काउंसिलिंग बोर्ड की बैठक में इन सभी फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर संबंधित छात्रों का प्रवेश निरस्त कर दिया गया। के साथ ही आगामी चक्रों की काउंसिलिंग में शामिल होने वाले सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी आश्रित के प्रमाण पत्रों का जिलाधिकारी द्वारा सत्यापन कराया जाएगा। जिनके प्रमाण पत्र गलत मिलें, उन्हें आगामी सभी चक्रों की काउंसिलिंग से प्रतिबंधित किया जाएगा। एमबीबीएस में दाखिले की प्रक्रिया के दौरान प्रमाण पत्रों की जांच के लिए कई चरण बनाए गए हैं। फिर भी धांधली करने वाले अपने मकसद में कामयाब हो रहे हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद प्रदेशभर में बनाए गए 11 नोडल सेंटरों पर प्रमाण पत्रों की जांच होती है। फिर आवंटित कॉलेज में भी दाखिले के वक्त जांच की व्यवस्था है। इसके बाद भी फर्जीवाड़ा हो रहा है।

कैंपस ड्राइव में 55 युवाओं का 18000 रुपये महीने पर चयन

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज स्थित राजकीय आईटीआई परिसर में शुक्रवार को कैंपस ड्राइव का आयोजन हुआ। सुपर व्हील्स ऑटोमोबाइल्स कंपनी की ओर आयोजित कैंपस ड्राइव में 55 युवाओं का चयन हुआ। राजकीय आईटीआई के प्रधानाचार्य राजकुमार यादव ने बताया कि कंपनी के साक्षात्कार में 180 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान सफल विद्यार्थियों को 10 से 18 हजार रुपये महीने तक का वेतन दिया जाएगा।

उ.प्र. राज्य महिला आयोग में साइबर क्राइम और एआई विषयक कार्यशाला आयोजित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग में आज साइबर क्राइम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. बबीता सिंह चौहान, उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, सदस्य चारू चौधरी और सहायक पुलिस आयुक्त लखनऊ अरुण कुमार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।कार्यशाला में अरुण कुमार ने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों जैसे फिशिंग लिंक, विशिंग कॉल, ऑनलाइन मार्केट फ्रॉड, एटीएम कार्ड स्किमिंग, सिम स्वैपिंग, यूपीआई अकाउंट टेकओवर, चाइल्ड पोर्नोग्राफी, ऑनलाइन जॉब फ्रॉड, क्यूआर कोड स्कैम, ईमेल फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन (हनी ट्रैप), फर्जी वेबसाइट और दस्तावेजों के जरिए लोन फ्रॉड, एमएलएम और पिरामिड स्कीम, फर्जी बैंक रिकवरी एजेंट धोखाधड़ी, सरकारी योजनाओं के नाम पर फ्रॉड, व्हाट्सएप हैकिंग, बैंकिंग धोखाधड़ी, कॉल स्पूफिंग, क्रेडिट कार्ड एक्टिवेशन फ्रॉड, मेलवेयर हमले और कैशबैक ऑफर फ्रॉड आदि पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही इन अपराधों से बचाव का सबसे सशक्त माध्यम है। आयोग के पदाधिकारियों ने भी यह सुनिश्चित करने पर बल दिया कि आगामी जनसुनवाई और जागरूकता चौपालों के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को इन अपराधों से बचाव की पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाए।कार्यक्रम के दूसरे सत्र में आयोग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मिशन शक्ति 4.0 के अंतर्गत विभिन्न जनपदों में आयोजित महिला जनसुनवाई और निरीक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कहा कि आयोग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों से महिलाओं को त्वरित और प्रभावी लाभ सुनिश्चित किया जाएगा।इस अवसर पर आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव, सदस्यगण चारू चौधरी, सुनीता श्रीवास्तव, पूनम द्विवेदी, अनुपमा सिंह लोधि, सुजीता कुमारी, मीना कुमारी, गीता बिन्द, गीता विश्वकर्मा, पुष्पा पाण्डेय, प्रियंका मौर्य, मिनाक्षी भराला, ऋतु शाही, सुनीता सैनी, एकता सिंह, अर्चना पटेल, जनक नंदिनी, प्रतिभा कुशवाहा, रेनू गौड़, अवनी सिंह, हिमानी अग्रवाल, मनीषा अहलावत, वित्त एवं लेखाधिकारी सचिन दीक्षित और सहायक पुलिस आयुक्त अरुण कुमार सहित अन्य गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने पाटा–2025 में बौद्ध विरासतों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई सशक्त उपस्थिति

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने राज्य की समृद्ध बौद्ध विरासतों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करते हुए एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख पर्यटन आयोजन 47वें पैसिफिक एशिया ट्रैवल एसोसिएशन (पाटा–2025) में अपनी सशक्त भागीदारी दर्ज कराई। राज्य का पवेलियन 'एम्बार्क ऑन योर बोधि यात्रा इन उत्तर प्रदेश' न केवल सबसे आकर्षक बना बल्कि विदेशी आगंतुकों और प्रतिनिधियों के बीच सबसे अधिक देखा गया।प्रदेश के प्रमुख बौद्ध स्थलोंकृ सारनाथ, कपिलवस्तु, संकिसा, कौशाम्बी, श्रावस्ती और कुशीनगरकृ को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर विदेशी आगंतुकों को 'बोधि यात्रा' पर उत्तर प्रदेश आने का आमंत्रण भी दिया गया।

पवेलियन का उद्घाटन थाईलैंड में भारत के राजदूत नागेश सिंह ने किया।26 से 28 अगस्त तक बैंकॉक के क्वीन सिरीकिट नेशनल कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन उद्योग के प्रतिनिधियों, टूर एंड ट्रैवल क्षेत्र के पेशेवरों और साझेदारों के साथ सार्थक संवाद हुए। कार्यक्रम में प्रदेश की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि और आध्यात्मिकता को रेखांकित किया गया। पवेलियन में आगंतुकों को विशेष रूप से 'बुद्धा राइस' (काला नमक चावल) भेंट किया गया।

अब यूरिया की हर बोरी पर लगेगी गोदाम की मुहर, तस्करी रोकने के लिए बनाई गई ये विशेष रणनीति

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में खाद की कालाबाजारी और तस्करी रोकने की नई रणनीति अपनाई गई है। इसके तहत खाद की हर बोरी पर संबंधित गोदाम और समिति की मुहर लगेगी। इससे पता चल सकेगा कि संबंधित खाद किस समिति से उठाई गई है। प्रदेश में खरीफ सीजन में बॉर्डर के जिलों से खाद की तस्करी होने की शिकायत मिली। तमाम चौकसी के बाद भी यूरिया व अन्य खाद नेपाल सीमा में पहुंच गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के निरीक्षण में भी यह बात सामने आई । जिन किसानों के पास एक बिस्वा भी खेत नहीं है, उनके नाम पर 40 से 50 बोरी खाद की खरीद फरोख्त हुई। सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिले में ऐसे मामलों में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। सीमावर्ती अन्य जिलों में भी इस तरह के मामले सामने आए हैं। कई स्थानों पर पकड़ी गई खाद सहकारी गोदाम की है अथवा निजी दुकान की, इसे लेकर भी विवाद की नौबत आई। ऐसे में सहकारिता विभाग ने नई रणनीति तैयार की है। अब रबी

सीजन शुरू होने से पहले ही सहकारिता विभाग ने अपनी समितियों की खाद को मुहरबंद करने का फैसला लिया है। इसके तहत यूपी कोआपरेटिव फेडरेशन की गोदाम में खाद के पहुंचते ही बोरियों पर संबंधित फेडरेशन की मुहर लगाई जाएगी। यहां से खाद की बोरियां जिस सहकारी समिति में भेजी जाएंगी। उस समिति की भी मुहर लगेगी। ऐसे में कोई भी किसान खाद की बोरी लेकर निकलेगा तो आसानी से पता चल सकेगा कि वह किस समिति से खाद लेकर जा रहा है। साथ ही संबंधित समिति को किस गोदाम से खाद उपलब्ध कराई गई है, इसके भी स्पष्ट प्रमाण रहेंगे। इससे खाद की कालाबाजारी होने, तस्करी होने अथवा खाद की गुणवत्ता प्रभावित होने की दशा में संबंधित गोदाम के प्रभारी और समिति के सचिव के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार ने इस संबंध में पीसीएफ निदेशक और सभी जिलों के सहायक निबंधकों को निर्देश जारी किया है।

समितियों में मौजूद खाद

प्रदेश की 6861 सहकारी समितियों पर खाद का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में 28 अगस्त को समितियों पर 13942 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया है। 29 अगस्त को 2.67 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.16 लाख मीट्रिक टन फास्फेट मौजूद रही। कई रैक रास्ते में हैं, जो 31 को विभिन्न जिलों में पहुंच जाएंगी। ऐसे में 31 अगस्त को समितियों के पास 4.61 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 3.25 लाख मीट्रिक टन फास्फेट पहुंच जाएगी।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

खाद को लेकर हर स्तर पर निगरानी की जा रही है। सचिवों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। समितियों के सदस्य किसानों को वरीयता के आधार पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। कई बार कालाबाजारी और तस्करी की स्थिति में समितियों पर भी आरोप लगता है। इन आरोपों को देखते हुए नई व्यवस्था अपनाई जा रही है ताकि हकीकत सामने आ सके। नई व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और जिम्मेदारी तय होगी।– योगेश कुमार, आयुक्त एवं निबंधक, सहकारिता।

निजी दुकानदारों पर भी कसा शिकंजा

निजी क्षेत्र के फुटकरक दुकानदार खाद में हेराफेरी न करने पाए, इसके लिए भी तत्परता बरती जा रही है। कृषि विभाग की ओर से औचक निरीक्षण की प्रक्रिया निरंतर जारी रखी गई है।

प्रदेश में राशन कार्ड धारकों के लिए ई–केवाईसी अनिवार्य

लखनऊ, (संवाददाता)। ,प्रदेश के खाद्य एवं रसद विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के तहत राशन वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सभी राशन कार्ड्धारकों की ई–केवाईसी (बायोमेट्रिक सत्यापन) अनिवार्य कर दी है। आयुक्त खाद्य एवं रसद, भूपेन्द्र एस. चौधरी ने बताया कि शासनादेश संख्या 1115ध 29–6–ई–2792ध2020, दिनांक 11.08.2025 के तहत जिन लाभार्थियों का केवाईसी कार्य अपूर्ण है, उन्हें आगामी तीन माह के राशन वितरण से पहले ई–केवाईसी पूरी कराना अनिवार्य होगा।उन्होंने कहा कि 31 अगस्त 2025 तक केवाईसी न कराने वाले राशन कार्डधारक अपने नजदीकी उचित दर की दुकान (ई–पॉस) पर जाकर यह प्रक्रिया पूरी करें। यदि अंतिम तिथि तक केवाईसी नहीं कराई जाती है,।

एन– कोर्ड की जनपद स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी (वि०ध्रा०) राम अक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में एन– कोर्ड की जनपद स्तरीय समिति की बैठक शुक्रवार सायं संपन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने मेडिकल स्टोर्स की दुकानों पर सतत् निगरानी रखे जाने के निर्देश दिए, जिससे वहां पर प्रतिबन्धित दवाओं ध् वस्तुओं की बिकी कदापि न होने पाये किसी भी प्रकार के उल्लघंन के मामलों मे संबंधित दुकानों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु भी विचार–विमर्श किया जाए। सार्वजनिक एवं दूरस्थ ध् सूनसान स्थानों पर जहाँ ड्रग्स की बिक्री की सम्भावना हो वहाँ पर जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के साथ ही निर्देशित किया कि ऐसे स्थलों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए नियमित पेट्रोलिंग भी कराई जाये। गोमती घाट एवं अन्य घाट के आस–पास ड्रग्स की बिक्री की जांच हेतु निरीक्षण व आकस्मिक चेकिंग कराए जाने के निर्देश अपर जिलाधिकारी द्वारा दिये गए। उन्होंने कहा कि अस्पतालों, विद्यालयों एवं रेलवे ध् बस स्टेशनों के आस–पास पान मसाला, गुटका ध्दोहरा बेचने वाली दुकानों की चेकिंगध्जांच किया जाय तथा पूर्ण रूप से जनपद में दोहरे की बिक्री पर रोक लगायी जाय। नियमित रूप से पुलिस पेट्रोलिंग व संयुक्त टीमों द्वारा सघन छापेमारी कर कड़ी कार्यवाही भी करे। ड्रग्स की तस्करी एवं परिवहन पर अंकुश लगाने हेतु विभिन्न राष्ट्रीय राज्य राजमार्गों एवं संदिग्ध स्थानों पर संयुक्त टीम द्वारा चेकिंग किये ।

लघु उद्योग लगाकर युवा स्वयं आत्म निर्भर बनेंरू- पिंकी देवी

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, हरदोई द्वारा 02 दिवसीय मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना प्रचार–प्रसार हेतु ब्लाक भरखनी के ग्राम पंचायत सिलवारी में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान पिंकी देवी ने फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर अपने सम्बोधन में उन्होंने मुख्यमत्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई लगाने पर जोर देते हुए कहा कि युवा लघु उद्योग जैसे– पापड, अचार, कचरी, मसाला, आटा चक्की, पास्ता, दलिया, सेवई आदि उद्योग लगाकर स्वयं आत्म निर्भर बनें। इस अवसर पर प्रभारी धीरेन्द्र कुमार फूड इसपेक्टर अजीत सिंह व ब्रन्द्रावन बिहारी कषि वैज्ञानिक आदि ने इकाई लगाने के लिये प्रेरित किया व स्वयं का स्वरोजगार लगाने के लिये कहा जिसमे खाद्य प्रसंस्करण से सम्बन्धित समस्त खाद्य सामग्री पर जानकारी दी साथ ही साथ रोजगार लगाने के लिये प्रेरित किया। प्रभारी राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, हरदोई प्रभारी धीरेन्द्र कुमार ने बताया की मुख्यमंत्री जी की 02 दिवसीय मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण योजना बहुत ही उत्कृष्ट योजना है इसमे कोई भी खाद्य प्रसंस्करण इकाई घरेलू स्तर से लगा कर अपना स्वयं का रोजगार कर सकते है जिसमें सरकार की तरफ से योजना लागत का 50 प्रतिशत मशीन व उपकरण मद में सहयोग प्रदान किया जाएगा इस अवसर पर धमेन्द्र सिंह कृषि विषेशज्ञ व अन्य लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

करंट की चपेट में आने से हुई मौत

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील मुख्यालय के कस्बे में बड़ा हादसा,करंट की चपेट में आने से 32 वर्षीय चन्द्र भूषण उर्फ रोशन लाल अग्रहरि की मौत।सुबह पानी भरने के लिए मोटर का स्विच ऑन करते ही लगा करंट।इकलौते बेटे की मौत से परिवार पर टूटा गम का पहाड़,पत्नी पदमा बार–बार हो रही बेहोश।पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बल्दीराय कस्बे में शोक की लहर।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तांत्रिक की मौत

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। शिवगढ़ थाना क्षेत्र के भरखरे गांव में शनिवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक तांत्रिक की मौत हो गई। अचानक हुए इस हादसे से परिवार और गांव में कोहराम मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक तांत्रिक गांव के बाहर खेत की ओर गया था। इसी दौरान मौसम खराब हुआ और तेज बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिर गई। तांत्रिक उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन तत्काल उसे अस्पताल ले जाने की कोशिश में जुटे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सुभा सपा चीफ व यूपी के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने जिले के दौरे पर कई मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखी

ब्यूरो चीफ आलोक कुमार श्रीवास्तव

सुल्तानपुर। कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि बिहार चुनाव को लेकर सपा मुखिया अखिलेश यादव, कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधा। राजभर ने कहा कि जो कभी कांग्रेस को कोसते थे,वही आज कांग्रेस के मंच पर उनके साथ खड़े हैं। कांग्रेस के मंच से पीएम मोदी और उनकी माँ पर टिप्पणी की मैं निंदा करता हूँ। उन्होंने विपक्ष पर म्टड को लेकर दोहरे रवैये का आरोप लगाते हुए कहा जब ये लोग जीतते हैं तो म्टड सही, पेपर सही, लेकिन जब हारते हैं तो चिल्लाते हैं। संभल हिंसा रिपोर्ट पर पूछे गए सवाल पर राजभर ने सपा–बसपा और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा जब–जब इनकी सरकारें रहीं, दंगे हुए, कर्फ्यू लगे, जनहानि हुई। मुख्यमंत्री योगी जी की सरकार को साढ़े 8 साल से ज्यादा हो गया, कोई दंगा नहीं हुआ। अगर किसी ने कोशिश भी की तो उस पर सख्त कानूनी कार्रवाई हुई। निषाद पार्टी चीफ संजय निषाद के एनडीए से अलग होने के बयान पर राजभर ने चुटकी लेते हुए कहा अगर वो सरकार के समर्थन में बोलेंगे तो आपका चौनल नहीं चलाएगा। उनका और आपका दोनों का काम हो गया। राजभर ने साफ किया कि छक। गठबंधन में सब कुछ ठीक–ठाक (।सस पे ूमसस) है। इस दौरान वे जिले के प्रभारी मंत्री के रूप में लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी करते नजर आए।

जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने गो आश्रय स्थल का किया आकस्मिक निरीक्षण दिया आवश्यक निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र ने विकास खण्ड बक्शा के सादनपुर अस्थाई गोशाला का शनिवार को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी के द्वारा गो आश्रय स्थल में गोवंशो के लिए मूलभूत व्यवस्थाओं की उपलब्धता का जायजा लिया गया। गो–आश्रय स्थल में पर्याप्त मात्रा में भूसा, चोकर, पेयजल, नेपियर घास आदि उपलब्धा पायी गया। शेड मे वेंटिलेशन की अच्छी व्यवस्था पायी गयी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया गया कि गोवशों को नैपियर घास प्रचुर मात्रा में दिया जाए। गो आश्रय स्थल में पौधरोपण भी किया जाए। इसके साथ ही पशु चिकित्साधिकारी नियमित रूप से गोवंशो के स्वास्थ्य की जांच करे और बीमार होने की दशा में उनका उपचार भी करें। इस दौरान जिलाधिकारी ने गोवंशो को गुड़ और केला भी खिलाया। इसके उपरान्त जिलाधिकारी के द्वार सादनपुर पेयजल योजना का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चौकीदार ने बताया कि 15 दिन से केबिल खराब है उच्च अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी जोड़ा नही जा रहा है। जिस पर अधीक्षण अभियंता जल निगम को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिये गये।

जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन शासन की महत्वाकांक्षी योजना है इसमें शिथिलता क्षम्य नही की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा0 ओ. पी. श्रीवास्तव, ग्राम प्रधान मनीलाल यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

एशियन फुटवियर अपनी रिटेल उपस्थिति 3 गुना बढ़ाकर उत्तर प्रदेश में 25,000 स्टोर्स तक पहुंचेगा

दिग्गज क्रिकेटर एम. एस. धोनी ने नए जूतों की रेंज लॉन्च कीय सहारनपुर के श्री सोहैल पाल सिंह चौला को डिस्ट्रीब्यूटर एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया सहारनपुर प्रत्यूष पाण्डेय। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते स्वदेशी फुटवियर ब्रांड्स में से एक, एशियन फुटवियर ने नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में दिग्गज क्रिकेटर और ब्रांड एंबेसडर एम. एस. धोनी की मौजूदगी में अपने बड़े विस्तार की योजना की घोषणा की। कंपनी का लक्ष्य अपनी पहुंच को 7,500 रिटेल आउटलेट्स से बढ़ाकर 25,000 तक पहुंचाना है और 25–26 के अंत तक राज्य में अपने एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स की संख्या को 14 तक बढ़ाना है। कार्यक्रम के दौरान, एशियन फुटवियर ने अपनी नई प्रीमियम कलेक्शन लॉन्च की, जिसमें क्वांटम 2.0 दृ एम. एस. धोनी सिग्नेचर रेंज शामिल है। इस रेंज में हाइपर कुशन, पावरकिक और मोजो जैसे मॉडल हैं, जिन्हें इन–हाउस, अत्याधुनिक, बीआईएस–प्रमाणित फुटवियर टेस्टिंग और डिजाइन लैब में तैयार किया गया है। यह कलेक्शन स्टाइल और परफॉर्मेंस का बेहतरीन संगम है, जो उन ग्राहकों के लिए है जो वैश्विक अंदाज को किफायती कीमत पर चाहते हैं। इस मौके पर एशियन फुटवियर के प्रमुख डिस्ट्रीब्यूटर, प्रभात फुटवियर, सहारनपुर के सोहैल पाल सिंह चौला को एम. एस. धोनी और एशियन फुटवियर के चेयरमैन श्री राजिंदर जिंदल ने डिस्ट्रीब्यूटर एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया। श्री चौला ने उत्तर प्रदेश में ब्रांड की मौजूदगी को मजबूत करने और इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही, कंपनी ने पूरे भारत में अपने संचालन का विस्तार करने के लिए ध्100 करोड़ के निवेश की भी घोषणा की। वर्तमान में कंपनी 30,000 मल्टी ब्रांड रिटेल स्टोर्स और 35 एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स (म्ठव्) में सेवाएं दे रही है। आगामी समय में ब्रांड का लक्ष्य 1 लाख रिटेल आउटलेट्स और 100 म्ठव् तक अपनी मौजूदगी बढ़ाने का है, जिससे टियर 2 और टियर 3 शहरों में इसकी पहुंच में बड़ा इजाफा होगा। चेयरमैन राजिंदर जिंदल ने कहा, "हमें गर्व है कि एम. एस. धोनी ने हमारे नए प्रीमियम स्नीकर्स कलेक्शन को लॉन्च किया। हमारे ब्रांड में उनका विश्वास हमें हर दिन बेहतर करने के लिए प्रेरित करता है। यह रेंज नवाचार, प्रदर्शन और शैली का एक आदर्श संगम है, जो भारतीय उपभोक्ताओं को विश्वस्तरीय डिजाइन किफायती कीमत पर उपलब्ध कराएगी। हमारा ध्100 करोड़ का विस्तार इस दृष्टि को साकार करेगा और इन उत्पादों को देश के हर कोने तक पहुंचाएगा। यह निवेश एशियन फुटवियर के अगले विकास अध्याय की शुरुआत है, जो प्रीमियम क्वालिटी फुटवियर को करोड़ों भारतीयों तक पहुंचाएगा।"

संक्षिप्त खबरें

मीडिया कार्यशाला एवं जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन 31 को

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश इकाई, जनपद हरदोई की ओर से मीडिया कार्यशाला एवं जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन का आयोजन 31 मई को किया जाएगा। यह कार्यक्रम मंगलीपुरवा फाटक स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल के सभागार में दोपहर 12 बजे से शुरू होगा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की पूरी जिला इकाई और जनपद के समस्त पत्रकार साथियों की ओर से आयोजित इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में मीडिया बंधुओं के शामिल होने की संभावना है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने सभी पत्रकारों से समय से उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमामय बनाने की अपील की है। इस कार्यशाला का उद्देश्य न केवल पत्रकारों की समस्याओं पर चर्चा करना है, बल्कि उनके लिए हितकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध कराना भी है। साथ ही, पत्रकारिता के बदलते स्वरूप और उससे जुड़े उत्तरदायित्वों पर भी विचार विमर्श होगा। कार्यशाला में वरिष्ठ पत्रकार एवं विषय विशेषज्ञ पत्रकारिता की चुनौतियों और अवसरों पर मार्गदर्शन करेंगे। आयोजक मंडल का कहना है कि यह सम्मेलन पत्रकारों के बीच आपसी संवाद और समन्वय को मजबूत करेगा। मीडिया की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और जिम्मेदारियों जैसे मुद्दों पर विचार–विमर्श के साथ–साथ पत्रकारों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि पत्रकारिता लोकतंत्र की रीढ़ है और इस तरह की कार्यशालाएँ पत्रकारों को अपनी भूमिका और भी प्रभावी ढंग से निभाने में मदद करती हैं।

डिफेंस कॉलोनी में हुई मारपीट मामले में पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज, एक गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली कैंट क्षेत्र की डिफेंस कॉलोनी में दबंग पड़ोसियों की गुंडागर्दी ने एक बार फिर कानून–व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।48 वर्षीय सुजीत सिंह ने अपने पड़ोसी रिटायर्ड फौजी अयोध्या प्रसाद सिंह और उनके बेटे पंकज सिंह पर आरोप लगाया कि उन्होंने उन्हें बेरहमी से पीटा।पीड़ित ने बताया कि उन्हें ईंट और गुममों से इतना मारा गया कि वे लहूलुहान होकर गिर पड़े।जाते–जाते दबंगों ने धमकी भी दिया।पीडित सुजीत सिंह का आरोप है कि पहले भी उन पर जानलेवा हमला हुआ था, लेकिन आरोपी के दामाद और स्थानीय पार्षद संतोष सिंह के रसूख के कारण एफआईआर दर्ज करने को तैयार नहीं हुई।हालांकि इस मामले में काफी जद्दोजहद के बाद पुलिस ने मामला तो हल्की धाराओ मे दर्ज कर लिया। जबकि पीड़ित अस्पताल में भर्ती है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कैंट पंकज सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है मुकदमा दर्ज कर नामजद आरोपी पंकज को गिरफ्तार कर लिया गया है और इस मामले की जांच की जा रही है।

संगठन हमारी राष्ट्र की धरोहर है : के डी शर्मा

सीतापुर प्रत्यूष पाण्डेय। सीतापुर के रेवाली, भगवंतपुर जनपद सीतापुर, मे राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वॉलिंटियर्स भाजपा के राष्ट्रीय व प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों का संगठन के स्थानीय कार्यकर्ताओं व निवासियों ने भव्य स्वागत व अभिनंदन किया। इस मौके पर कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष केडी शर्मा ने कहा कि संगठन हमारी राष्ट्र की धरोहर है, जिसके माध्यम से हमें भारतीय जनता पार्टी की जनहित नीतियों को जन जन तक पहुंचना ही हमारा लक्ष्य है। राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव अमित दीक्षित ष्राम जीष् ने कहा कि संगठन को हमें पूरे भारत में स्थापित करना है क्योंकि जन–जन की समस्याओं को हल करने के लिए हमें घर घर जाना पड़ेगा। संगठन की शक्ति से हमें आम जनमानस को लाभान्वित करवाना है। राष्ट्रीय महासचिव हनुमान प्रसाद गौतम ने कहा कि सभी नीतियों का समर्थन करते हुए समाज को नई दिशा में ले जाना ही हमारा उद्देश्य है, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रदीप निषाद व संजय निषाद ने अपने उद्बोधन में सबको एकजुट होने का संदेश दिया। इस मौके पर प्रशासनिक प्रदेश अध्यक्ष अनिल माथुर, प्रदेश अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सलमान हाशमी, प्रदेश उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा महबूब अली, प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा स्वाति सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष मुख्य भाग विष्णु महेश, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा नीलम कश्यप, जिला अध्यक्ष मोनू कश्यप, सुजीत कश्यप, अरुण कश्यप, राम गोपाल कश्यप, मिथिलेश कश्यप, महेश कश्यप, दीपक कश्यप, सुनीता कश्यप, शिवमोहन कश्यप सोहनलाल विकास कश्यप सहित समस्त कश्यप समाज एवं अन्य समाज के पदाधिकारियों ने शपथ ली के हम राष्ट्रीय युवा वाहिनी को संपूर्ण राष्ट्र में स्थापित करेंगे। इस अवसर पर संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसपी ग्रामीण के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने किया मार्कडिल

अयोध्या। गणेश पूजा व बारावफात पर्व को शांतिपूर्वक तथा सकुशल संपन्न करने के लिए पुलिस प्रशासन हर तरीके की रणनीति अपना रही है।शुक्रवार एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर के निर्देश पर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रो में सभी थानों पर संबंधित सर्किल के सीओ तथा थानाध्यक्ष अपने–अपने क्षेत्रों में के साथ शांति कमेटी की बैठक किया।वही दंगाइयों व अराजक तत्वों से निपटने के लिए शुक्रवार को पुलिस लाइन परिसर में एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी नेतृत्व में जिले के सभी सीओ व थानाध्यक्ष के साथ–साथ अन्य पुलिस कर्मियों ने दंगाइयों से निपटने के लिए मार्ग दिल किया।इस मौके पर सभी सीओ तथा थानाध्यक्ष व पुलिस कर्मियों ने असलहे चलाने के अलावा भीड़ को इधर उधर करने,आग लगने पर कैसे निपटे तथा दंगाइयों को काबू कैसे किया जाए इसके लिए पुलिस लाइन मैदान पर मार्कडिल किया।इस मौके पर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी के अलावा सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह,सीओ राम जन्मभूमि परिसर,सीओ अरविंद सोनकर,सीओ रुदौली आशीष निगम सीओ सदर योगेंद्र कुमार कोपर पीयूष के अलावा जनपद के सभी सीओ तथा थाना अध्यक्ष हुआ अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। घुड़सवार पुलिस तथा फायर सर्विस भी मौजूद रहे।

साइबर ठगी करने वाले जामताड़ा गैंग के तीन अंतर्प्रांतीय अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लाइन बाजार पुलिस ने साइबर ठगी करने वाले जामताड़ा गैंग के तीन अंतर्प्रांतीय अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दक्षिणा होटल के पास से गुरुवार की रात को तीनों आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के नेवादा जिले के आनंद सिंह, जौनपुर के केराकत के जितेंद्र कनौजिया और वाराणसी के फूलपुर के मोहम्मद सहीम शामिल हैं। आरोपियों से एक लैपटॉप, चार मोबाइल फोन, पांच बैंक पासबुक, नौ एटीएम कार्ड, दो आधार कार्ड और 9,550 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। शुक्रवार को एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव ने इसका खुलासा करते हुए।

स्टडी हॉल जूनियर में जारी रहा 'जश्न-ए-बचपन 2025' का दूसरा दिन

लखनऊ प्रत्यूष पाण्डेय। जश्न–ए–बचपन 2025 के दूसरे दिन स्टडी हॉल जूनियर स्कूल में लखनऊ और वाराणसी के 21 स्कूलों के बच्चे एक साथ आए। तीन दिन चलने वाले इस उत्सव में 1000 से अधिक बच्चे हिस्सा ले रहे हैं। यह महोत्सव बचपन की खुशी, कल्पना और रचनात्मकता का उत्सव है। दूसरे दिन की प्रतियोगिताओं में पढ़ाई, कला, भाषा और खेल से जुड़े कई कार्यक्रम शामिल रहे। सबसे छोटे बच्चों ने सोचो और बोलो और एक से अनेक में अपनी बातें और विचार साझा किए। कक्षा 2 के बच्चों ने Solve and Dash में तेजी और समस्या हल करने की क्षमता दिखाई और शब्दों की अंताक्षरी में खेल–खेल में शब्दों का प्रयोग किया। Verse&e Style में बच्चों ने कविता पाठ किया। कक्षा 3 के लिए Crossword और देखो, सोचो और बोलो ने सोचने और बोलने की क्षमता को बढ़ावा दिया, जबकि Fold to Mould में कागज मोड़कर नए आकार बनाने का काम हुआ। कक्षा 4 के बच्चों ने Aim to Gain में भाग लिया, जो रणनीति और कौशल पर आधारित खेल था, वहीं बड़े बच्चों ने छनउइमत छपदरं जैसी गणितीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मंच पर बच्चों ने । Band That Sings में मिलकर गाया और मैदान में Glide and Shine नामक स्केटिंग रिले खेली गई। स्टडी हॉल जूनियर की हेडमिस्ट्रेस बानी मल्होत्रा ने कहा, "बचपन अपनी हंसी, जिज्ञासा और सपनों के साथ सबसे खाास होता है। जश्न–ए–बचपन बच्चों को सिर्फ प्रतियोगिता का मंच नहीं देता, बल्कि उन्हें अपने दिल की बात कहने, अपनी प्रतिभा दिखाने और साथ मिलकर सीखने–हंसने का मौका देता है। यही इस उत्सव की असली खूबसूरती है।"

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।